डॉ॰ गिरजा उरांव
एसोसिएट प्रो॰
R.M.C. सासाराम

बी॰ ए॰ पार्ट - III Hons
सत्र - 2019 - 20
विषय - PSY paper V

समाज मनोविज्ञान की निरीक्षण विधि के गुण-दोषों की विवेचना करें।

Discuss the merits and demerits of observation method of social psychology. or समाज मनोविज्ञान की निरीक्षण विधि के प्रकारों का वर्णन करें or समाज मनोविज्ञान में निरीक्षण विधि के महत्व एवं उपयोगिता का मूल्यांकन कीजिए।

निरीक्षण विधि का समाज मनोविज्ञान में विशेष महत्व रखता है। यह सही है कि वर्तमान युग में प्रयोगात्मक विधि का अधिक महत्व माना है, परन्तु कुछ मनोवैज्ञानिक अध्ययन के लिए निरीक्षण विधि ही एकमात्र श्रेष्ठ विधि है। आक्सफोर्ड के अनुसार, निरीक्षण विधि का अर्थ है "घटनाओं को जैसे कि वे प्रकृति में होती है, कार्य और कारण अथवा परस्पर संबंध की दृष्टि से यथातथ्य देखना और नोट करना।" निरीक्षण विधि प्रयोग विधि से भिन्न है प्रयोग-विधि के अन्तर्गत विषय अथवा व्यक्ति को नियंत्रित परिस्थितियों में रखा जाता है।

गुडे एवं हाट ने इसकी उपयोगिता एवं महत्ता बतलाते हुए लिखा है- विज्ञान अवलोकन से प्रारम्भ होता है एवं उसकी पुष्टि के लिए अन्तत: अवलोकन पर ही लौट आना पड़ता है।" प्राय: समस्त विज्ञान इसी अवलोकन विधि का सहारा लेते हैं अवलोकन विधि प्राथमिक सामग्री के संकलन की प्रत्यक्ष विधि है। अवलोकन विधि की परिभाषा यंग ने इस प्रकार लिखी है-

अवलोकन चक्षुओं द्वारा एक विचारपूर्वक अध्ययन को सामूहिक व्यवहार एवं जटिल सामाजिक संस्थाओं, साथ ही साथ पूर्णता रखने वाली पृथक इकाइयों के अनुवीक्षण हेतु एक प्रणाली के रूप में उपयोग किया जा सकता है।

निरीक्षण विधि एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें अनुसंधानकर्ता अध्ययन के अन्तर्गत आये समूहों के जीवन में भाग लेते हुए या उनसे दूर बैठकर उनके सामाजिक व्यवहार का अपनी इन्द्रियों द्वारा अवलोकन करता है। अवलोकन विधि का विश्लेषण करने पर निम्नलिखित तथ्य मुख्य रूप से स्पष्ट होते हैं:—

1. सामूहिक व्यवहार के अध्ययन के लिए निरीक्षण किया जाता है।
2. यह एक प्रकार का विचारपूर्वक अध्ययन है।
3. निरीक्षणकर्ता स्वयं प्रत्यक्ष रूप से अध्ययन करता है अर्थात प्रत्यक्ष रूप से उसमें भाग भी ले सकता है।
4. इसका उपयोग मुख्यतः प्राथमिक तथ्यों के ~~सह~~ संग्रह के लिए किया जाता है।
5. अवलोकन विधि में इन्द्रियों का पूर्ण उपयोग करना पड़ता है, विशेष रूप से चक्षुओं का।